प्रख्यापन

दिनकर और उनका कुरूक्षेत्र
एक समग्र मूल्यांकन।

यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल (हिंदी) के लघु प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर या अन्य किसी उपाधी के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

फलटण

प्रा. उत्तम विठ्ठलराव रणवरे.

प्रा. डॉ. राजेंद्र शहा.

एम्.ए.,एम्.फिल.,पीएच्.डी.

प्राध्यापक, हिंदी विभाग,

मुधोजी महाविद्यालय,

फलटण, जि. सातारा (महाराष्ट्र)

प्रमाण–पत्र

मैं प्रा. डॉ. राजेंद्र मोतीचंद शहा, प्राध्यापक, हिंदी विभाग, मुधोजी महाविद्यालय, फलटण, यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्री. रणवरे उत्तम विठ्ठलराव ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल (हिंदी) उपाधि के लिये प्रस्तुत लघु शोध–प्रबंध **" दिनकर का कुरुक्षेत्र : एक समग्र मूल्यांकन "** मेरे निर्देशन में बड़े परिश्रम के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह परीक्षार्थी की मौलिक कृति है।

मैं संस्तुति करता हूँ कि इसे परीक्षा हेतु अग्रेषित किया जाए।

निर्देशक,

प्रा. डॉ. राजेंद्र शहा

(प्रा. डॉ. राजेंद्र मोतीचंद शहा.)

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.